

उत्तर प्रदेश के ज़िलों में भूजल स्तर में सुधार

चर्चा में क्यों?

नमामागिंगे एवं जलापूर्ति अनुभाग-3 की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार **प्रयागराज समेत प्रदेश के 32 ज़िलों** में भूजल स्तर में बढ़ोतरी हुई है। जिससे इन ज़िलों में **करटिकिल ज़ोन** की संख्या कम हो गई है।

मुख्य बटु:

- प्रयागराज के भूजल वडिाग ने बताया कडिे यह नरिधारति करने के लडिे वडििनिन मापदंडों का वडिश्लेषण करते हैं कडिकोई ज़िलिा **सुरकषति, करटिकिल, सेडिी करटिकिल और अधकि पानी नकिले गए ज़ोन** में आता है या नही। सबसे महत्त्वपूरण महत्त्व नकिले गए पानी की कुल मात्रा तथा पुनरुडरण के साथ इसका तुलना है। गहन वार्षकि मूलड्यांकन के बाद, वे प्रत्येक ज़िलिा को तदनुसार वरगीकृत करते हैं।
 - राजडु में जो ज़िलिा सुरकषति ज़ोन में हैं उनमें प्रयागराज, प्रतापगढ, कौशाम्डी, फतेहपुर, वाराणसी, जौनपुर, आगरा, फर्रिाबाद, डैनपुरी, मथुरा, अलीगढ, एटा, हाथरस, बडायुं, चतिरकूट, महोबा, कानपुर नगर, कन्नौज, डेरठ, बागपत, बुलंदशहर, गौतड बुद्ध नगर, गाज़डिाबाद, हापुड, डरिापुर, डुराडाबाद, अडरोहा, बजिनौर, संडल, सहारनपुर, डुज़फरनगर और शामली शामिल हैं।

नमामागिंगे कार्यक्रम

- नमामागिंगे कार्यक्रम संरकषण डशिन है, जसिे जून 2014 में केंद्र सरकार द्वारा **‘फलैगशपि कार्यक्रम’** के रूप में अनुडोदति कडिा गया था, ताका प्रदूषण के प्रभावी अनुडूलन और राष्टरीय नदी गंगा के संरकषण एवं कायाकल्प के दोहरे उददेशुडों को पूरा कडिा जा सके।
- यह **जल संसाधन डंत्रालड, नदी वकिस और गंगा संरकषण वडिाग तथा जल शक्तिडंत्रालड** के तहत संचालति कडिा जा रहा है।
- यह कार्यक्रम **राष्टरीय सवचछ गंगा डशिन (NMCG)** और इसके राजडु समककष संगठनों यानी राजडु कार्यक्रम प्रडंधन समूहों (SPMGs) द्वारा कारडानवति कडिा जा रहा है।
- NMCG राष्टरीय गंगा प्रषिद का कारडानवडन वगि है, यह वर्ष 2016 में स्थापति कडिा गया था जसिने **राष्टरीय गंगा नदी बेसनि प्राधकिरण (NGRBA)** को प्रस्थापति कडिा।
- इसके पास **20,000 करोड रुपए का केंदरीय वतितडोषति, गैर-वडपगत कोष** है और इसमें लगडग **288 परडिोजनाएँ** शामिल हैं।
- कारडुक्रम के डुखुडु स्तंडभ हैं:
 - सीवेज टरीटमेंट इंफ्रास्ट्रकचर
 - रवरि फ्रंट डेवलडडमेंट
 - नदी-सतह की सफाईड एक एकीकृत
 - जैववडिडिता
 - वनीकरण
 - जन जागरण
 - औदडुगकि प्रवाह नगिरानी
 - गंगा गुराड